an>

Title: Problems faced by students of Jammu and Kashmir in getting scholarship under the Prime Minister Special Scholarship Scheme.

-

**सुश्री महबूबा मुफ़्ती (अनन्तनाग) :** महोदया, मैं आपका और इस हाउस का ध्यान एक बहुत ही सीरियस मामले की तरफ दिलाना चाहती हूँ। It concerns hundreds of students from Jammu and Kashmir. पिछली सरकार के टाइम में जम्मू-कश्मीर के हालात को देखते हुए वहाँ के गरीब लड़के-लड़कियों के लिए एक प्राइम मिनिस्टर स्पेशल स्कॉलरशिप स्कीम बनाई गई थी। इसकी वजह से हमारे जम्मू-कश्मीर के कई लड़के-लड़कियों को मुल्क के डिफरेंट इंस्टीट्यूशंस में एडमिशन मिला था, लेकिन दुर्भाग्य से पिछले कई माह से ये स्टूडेंट्स, जिनको दो साल से भी ज्यादा अरसा हो गया है, बहुत कंफ्यूज़न का शिकार हैं, क्योंकि बदकिस्मती से जिस वक्त इनका एडमिशन हुआ है, जो बीच में एडमिशन करने वाले लोग थे, चाहे एन.जी.ओज. थे या दूसरे थे, उन्होंने कई ऐसे कॉलेजेज में उनका एडमिशन किया है, जो लिस्टेड नहीं थे। कई ऐसे कॉलेजेज में उनका एडमिशन हुआ है, जहाँ का कोटा 20 का था, लेकिन 50 स्टूडेंट्स का वहाँ एडमिशन कर दिया। हालाँकि इसमें स्टूडेंट्स का कोई कसूर नहीं है। उनके दो-ढ़ाई साल हो गए हैं और आज उन स्टूडेंट्स से डिफरेंट कॉलेजेज फीस के लिए डिमांड करते हैं। वे फीस कहाँ से लाएं? होस्टल से बाहर निकालने की कोशिश होती है और कई बच्चे बच्चियाँ होस्टल से बाहर आ गए हैं। मेरी गुज़ारिश है कि जैसे मैं आनरेबल एच.आर.डी. साहिबा से भी मिली, मेरी आपसे भी गुज़ारिश है कि यह बहुत बड़ा कंसर्न है क्योंकि इस वक्त मेरे ख्याल में 400 से लेकर 700 जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के स्टूडैन्ट्स हर दरवाज़े पर जा रहे हैं कि हम कहाँ जाएँ, क्योंकि वे गरीब परिवारों से हैं, उनके पास क्षमता नहीं है, उनके पास इतना पैसा देने की ताकत नहीं है। इसमें सरकार इंटरवीन करे और इस मसले को कम से कम जो आज तक के स्टूडैंट्स हैं, उनके मसले को रिसॉल्व करें और जो आगे आने वाले स्टूडैन्ट्स हैं, उसमें खास ध्यान रखा जाए कि यह गलत हाथों में, गलत इंस्टीट्यूशंस में न चला जाए। मैं उम्मीद करती हूँ कि आप इसमें इंटरवीन करके इस मसले को रिसॉल्व करने में हमारी मदद करेंगी।

HON. SPEAKER: Yes, hon. Minister, do you want to say something?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRIMATI SMRITI ZUBIN IRANI): Yes, Madam.

The hon. Member had reflected her agony over this issue, in person, to me before, and I had brought it to her notice that there are certain individuals/NGOs as she referred to in her statement, who have misled students to get admitted in such institutions that were not a part of this scheme. I have, in my conversation with the hon. Member privately, also told her that we are exploring various possibilities where these institutions and those individuals who have misled these students be brought to book.

I am hoping for some kind of a resolution in favour of the students but I am challenged because the institutions or the individuals concerned that have been expressed by the Members, have deliberately misled these students two years ago.

So, I can only say this Madam to the hon. Member that I am exploring avenues in these challenging times.

HON. SPEAKER: Okay.